राजकीय रज़ा स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रामपुर (उ0प्र0)

मिशन शक्ति 2020-21

ई- संगोष्ठी

भारतीय समाज में महिला जागरूकता

मिशन शक्ति
नारी सुरक्षा
नारी सम्मान
नारी स्वावलंबन

दिनॉक 13-11-2020
समय. 02:00-3:00 बजे अपराहन

डॉ0 पी0के0 वार्ष्णेय
प्राचार्य / सरंक्षक

कार्यक्रम विवरण

दिनॉक 13-11-2020 समय. 02:00-3:00 बजे अपराहन

क0 संख्या	कार्यक्रम विवरण	वक्ता
1	कार्यक्रम परिचय / संचालन	डॉ बेबी तबस्सुम
2	शुभारंभ की घोषणा एवं आशीर्वचन	डॉ विनीता सिंह
3	मुख्य वक्ता	सुश्री हसीन ज़हरा रिज़वी आई. ए. एस. 2018 ओ. एस. डी. गवर्नमेंट ऑफ डब्ल्यू बी (पंचायत एंव ग्रामीण विकास)
4	विशिष्ट वक्ता	डॉ सै.मो.अरशद रिज़वी
5	धन्यवाद ज्ञापन	डॉ जहाँगीर अहमद खाँ

संयोजक डॉ बेबी तबस्सुम
अयोजक डॉ सै. मो.अरशद रिज़वी

Web Link to Join

http://meet.google.com/xfv-dwqu-uts

GOVT. RAZA POST GRADUATE COLLEGE, RAMPUR

Re-Accredited 'B' by NAAC

Affiliated by M.J.P rohilkhand University, Bareilly

वेबिनार आख्या

कार्यालय ,राजकीय रज़ा स्नातकोत्तर महाविद्यालय रामपुर ,उ0प्र0

दिनाँक: **13/11/2020**

आज दिनांक 13 नवंबर 2020 अपराह्न 2 बजे राजकीय रजा स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रामपुर में उच्च शिक्षा विभाग द्वारा संचालित उत्तर प्रदेश शासन के मिशन शक्ति कार्यक्रम की साप्ताहिक ई0 संगोष्ठी के प्रथम दिन विषय: भारतीय समाज में महिला जागरुकता का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का परिचय एवं रूपरेखा डॉ0 बेबी तबस्सुम प्रोफेसर जंतु विज्ञान विभाग द्वारा प्रस्तुत की गई एवं बताया गया कि मिशन शक्ति कार्यक्रम उत्तर प्रदेश शासन का अत्यंत महत्वाकांक्षी कार्यक्रम है जिसका उद्देश्य लैंगिक असमानता को दूर करना है।

कार्यक्रम का शुभारम्भ करते हुए डॉ0 विनीता सिंह विभागाध्यक्ष अंग्रेजी विभाग ने कहा बेटी के लिए शिक्षा बेटे जितनी ही महत्वपूर्ण है।एक शिक्षित बेटी ही भली-भांति एक परिवार,समाज एवं अन्य उत्तरदायित्व का सही से निर्वहन कर सकती है।

मुख्य वक्ता **सुश्री हसीन जेहरा रिजवी आई0 ए0 एस0**, ने बताया कि जेंडर इनिक्वालिटी में भारत का स्थान विश्व में बहुत पिछड़ा हुआ है तथा वर्तमान परिपेक्ष में भारत लगभग 100 साल पीछे चल रहा है। महिला सशक्तिकरण का तात्पर्य महिलाओं के उस स्थिति से है जिसमें वह अपने परिवार में किसी भी फैसले के लिए उतनी ही महत्वपूर्ण हो जितना कि कोई अन्य है, अपने हित के फैसले स्वयं ले सकें तथा इसके अनुरूप कार्य कार्य कर सकें। रिजवी जी ने बताया कि विश्व में लगभग 22% महिलाएं विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत हैं जबकि यह अनुपात भारत में और भी कम है उन्होंने बताया कि 16 से 22 वर्ष की बच्ची बालिकाएं उच्च शिक्षा ग्रहण करने की प्रबल इच्छा रखती हैं तथा अपने कैरियर के प्रति गंभीर होती हैं परंतु उन्हें शादी के बंधन में बांध दिया जाता है। पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा कन्याओं के हित में चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं का भी जिक्र किया।

विशिष्ट वक्ता डॉ0 सैयद मोहम्मद अरशद रिजवी जी विभागाध्यक्ष उर्दू विभाग ने बताया की जवाहरलाल नेहरू ने कहा था कि एक बेटे को शिक्षित करना केवल एक व्यक्ति को शिक्षित करना है जबकि एक बेटी को शिक्षित करना दो परिवारों को शिक्षित करना है। जन्म से तो स्त्री और पुरुष समान होते हैं।

कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर बेबी तबस्सुम द्वारा किया गया तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ0 जहांगीर अहमद खान ने किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के आदरणीय प्राचार्य डॉ0 पी0 के0 वार्ष्णेय जी, समस्त प्राध्यापक, प्राध्यापिकाएं, महाविद्यालय के छात्र-छात्राएं तथा अभिभावक उपस्थित रहे। अंत में कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के द्वारा किया गया।

Principal
Govt. Raza P.G. College
Rampur (U.P.)